प्रकाशन का 47वां वर्ष
रांची एक्सप्रेस
नगर संस्करण
बुधवार
रांची, 16 सितम्बर 2009

सबक को भूलना
खतरनाक : ओबामा 10

13 यह मेरी बेहतरीन पारियों में से एक : सचिन

जैव विविधता जीवन की कुजी है : राज्यपाल

रांची, 15 सितंबर (रां.ए.सं.)

राज्यपाल के. शंकरानारायणन ने आज यहां कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के लिये ग्रामीणों को प्रशिक्षित एवं जागृत करना होगा, तभी यह कार्यक्रम सफल हो पायेगा। राज्यपाल आज श्रीकृष्ण लोक प्रशासन प्रशिक्षण संस्थान के सभागार में इंडिया-यूएनडीपी प्रोजेक्ट का शुभारंभ कर रहे थे। इस अवसर पर राज्यपाल के सलाहकार विलोड लकड़ा, मुख्य सचिव शिव बसंत, यूएनडीपी की भारत स्थित निदेशक श्रीमती डी. ब्यॉड, राष्ट्रीय जैविक संरक्षण के अध्यक्ष पीएल गौतम उपस्थित थे।

राज्यपाल ने कहा कि जैव विविधता जीवन की कुंजी है। हमारा देश प्राकृतिक सौंदर्य से परिपूर्ण जैव विविधता का विशाल केंद्र है। यहां के मौसम में विविधता है एवं स्थलाकृति सुंदर है। जैव विविधता के संरक्षण की दृष्टि से हमारा देश विश्व के महत्वपूर्ण देशों में अग्रणी है। राज्यपाल ने कहा कि जैव विविधता के संरक्षण हेतु तीन प्रमुख लक्ष्य हैं- जैव विविधता का संरक्षण, इसके विभिन्न आयामों का निरंतर उपयोग तथा इसके लाभ का समान वितरण। उन्होंने कहा कि जैव विविधता के संरक्षण के लिये भारत सरकार ने कानून बनाया है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय जैव विविधता प्राधिकार का भी गठन किया गया है, ताकि इस कानून का अनुपालन सही परिप्रेक्ष्य एवं सही रूप से हो सके।

राज्यपाल ने कहा कि जैव विविधता की दृष्टि स झारखंड काफी समृद्ध राज्य है। कुल क्षेत्रफल का 29.6 प्रतिशत भाग यहां वनाच्छादित है। वन्य जीवों की भी प्रचुरता है। उन्होंने कहा कि राज्य में जैव विविधता के संरक्षण के लिये एक बोर्ड का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि बोर्ड ग्रामीणों को जैविक विविधता के संरक्षण हेतु जागृत करने का कार्य करे।

इस अवसर पर पीएल गौतम ने कहा कि देश में झारखंड पहला राज्य है जिसका चयन इस कानून की शुरुआत के लिये किया गया है। अपने बेहतर कार्य से यह देश का रॉल मॉडल बने। श्री गौतम ने जैव विविधता संरक्षण कानून पर प्रकाश डाला एवं इसकी उपयोगिता की व्याख्या की। इस अवसर पर राज्यपाल के सलाहकार विलोड लकड़ा एवं मुख्य सचिव शिव बसंत ने भी अपने विचार व्यक्त किये। अतिथियों का स्वागत प्रधान मुख्य वन संरक्षक एके सिंह ने किया।